जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 14 नवंबर 2019

जामिया एकेडमिक रिपोज़िटरी फैकल्टी सदस्यों के अनुसंधान कार्यों को दर्शाएगी

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की डॉ ज़ाकिर हूसैन लाइब्रेरी ने एक ऑनलाइन जामिया एकेडमिक रिपोजिटरी (जेएआर) बनाई है, जिसमें अभी लगभग 500 पांडुलिपियाँ, 750 दुर्लभ-पुस्तकें, 470 शोधकार्य, पुराने उर्दू धारावाहिकों के 500 वाल्यूम और पुराने अखबारों के 30 वालयूम हैं।

इनके पूरे टेक्स्ट को कभी भी और कहीं से भी *www.jar.jmi.ac.in/xmlui* पर देखा जा सकता है। ये सभी संसाधन राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी (एनडीएल) पर भी उपलब्ध हैं, जो मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) की एक पहल है। इसमें नेशनल मिशन आॅन एजुकेशन थ्रू इंफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नालजी मिशन के तहत सिंगल विंडो सर्च सुविधा के उपलब्ध कराई गई है।

पुस्तकालय जामिया फैकल्टी के प्रकाशनों को भी जेएआर पर अपलोड करेगा। विश्वविद्यालय में इंटरनेट पर इन फैकल्टी प्रकाशनों के पूर्ण टेक्स्ट को देखा जा सकेगा।

लाइब्रेरी ने सभी फैक्ल्टी सदस्यों और शोधकर्ताओं से अनुरोध किया है कि वे अपने शोधपत्रों को जेएआर पर अपलोड करने के लिए उनकी पीडीएफ काॅपी *universitylibrarian@jmi.ac.in* पर भेजें। ज़ाकिर हूसैन लाइब्रेरी के नव नियुक्त लाइब्रेरियन डा तारिक अशरफ ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के बौद्धिक आउटपुट को दर्शाने, उसके अनुसंधान कार्य को व्यापक प्रचार प्रदान करने और अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने में भी सहायक होगा।

लाइब्रेरी ने जामिया के फैकल्टी सदस्यों और शोधकर्ताओं से अनुरोध किया है कि वे अपनी प्रकाशित पुस्तकों की एक प्रति पुस्तकालय में प्रदर्शित करने के लिए भेजें।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक